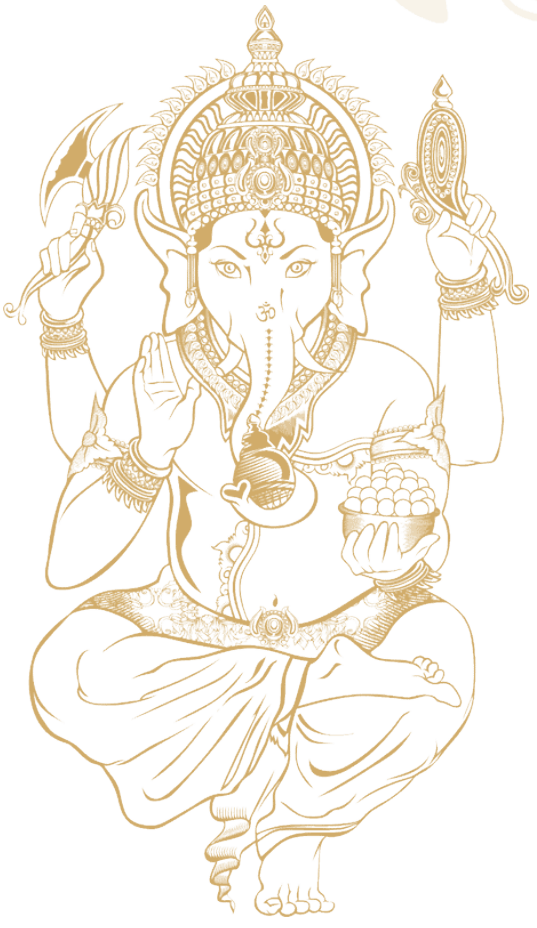

Vaibhav Khushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121633602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/06/2000	जन्म तिथि	11-12/02/2002
मंगलवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 18:47:00	जन्म समय	03:49:00 घंटे
घटी 33:28:27	जन्म समय(घटी)	51:33:31 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Silvassa
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	20:17:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	73:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:38:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:37	सूर्योदय	07:10:06
19:32:23	सूर्यास्त	18:34:36
23:51:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 3मा 17दि	26:22:37	वृश्चि	लग्न	धनु	06:25:13	मंगल 6वर्ष 2मा 15दि
राहु	05:38:36	मिथु	सूर्य	मक	29:08:02	राहु
08/10/2013	14:56:05	मक	चंद्र	मक	24:50:16	29/04/2008
08/10/2031	08:50:35	मिथु	मंगल	मीन	23:28:45	29/04/2026
राहु 20/06/2016	25:48:12	मिथु	बुध	मक	05:20:07	राहु 10/01/2011
गुरु 14/11/2018	04:03:08	वृष	गुरु व	मिथु	12:15:28	गुरु 05/06/2013
शनि 19/09/2021	08:08:20	मिथु	शुक्र	कुंभ	05:57:44	शनि 11/04/2016
बुध 08/04/2024	01:37:48	वृष	शनि	वृष	14:09:47	बुध 29/10/2018
केतु 26/04/2025	00:49:40	कर्क	राहु व	मिथु	01:45:59	केतु 17/11/2019
शुक्र 26/04/2028	00:49:40	मक	केतु व	धनु	01:45:59	शुक्र 16/11/2022
सूर्य 21/03/2029	26:41:38	मक व	हर्ष	कुंभ	00:50:02	सूर्य 11/10/2023
चन्द्र 20/09/2030	12:14:49	मक व	नेप	मक	15:07:12	चन्द्र 11/04/2025
मंगल 08/10/2031	17:10:59	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:22:12	मंगल 29/04/2026

लग्न-चलित

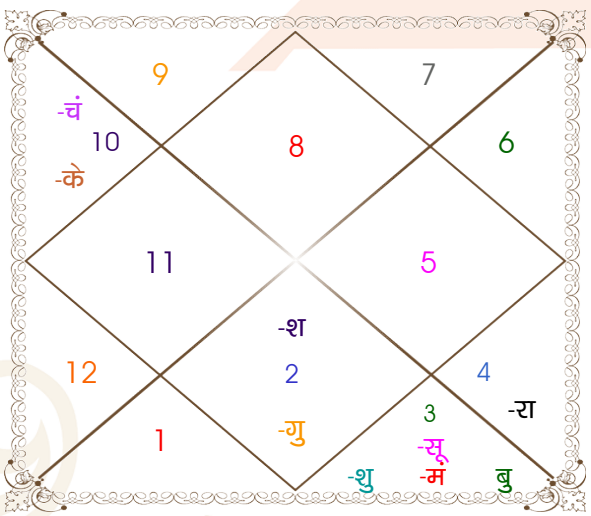

लग्न-चलित

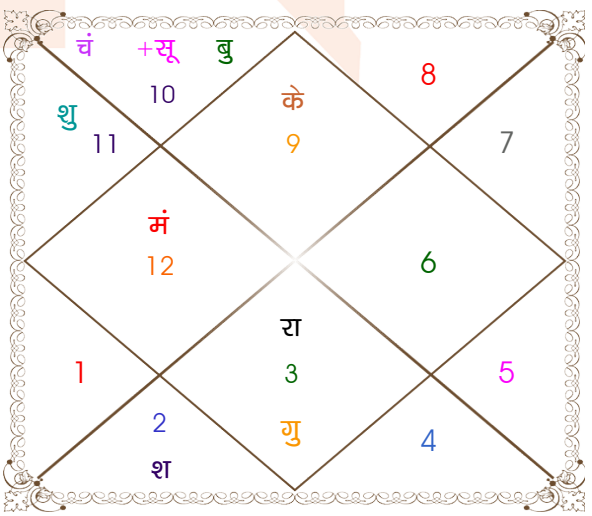

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Vaibhav का वर्ग मार्जार है तथा Khushi का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vaibhav और Khushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Vaibhav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Khushi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Khushi कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Vaibhav तथा Khushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।